NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिंदी

Chapter : 8

Chapter Name : कर चले हम फ़िदा

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

Q. 1. क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

Answer – यह गीत फिल्म हकीकत के लिए लिखा गया था जो भारत और चीन के मध्य युद्ध की पृष्ठ्भूमि पर बनी थी | इस फिल्म में भारत और चीन के मध्य 1962 में युद्ध हुआ था उसे दर्शाया गया हैं |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 2. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया', इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

Answer – इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान-सम्मान का प्रतीक है जिसकी रक्षा भारत के वीरों ने अपने प्राण त्यागकर भी की|

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 3. इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

Answer – युद्ध में कई सैनिक मारे गए थे, उनके खून से धरती लाल हो गयी थी जैसे धरती को दुल्हन की तरह सजाया गया हो |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?

Answer – कुछ गीत इतने प्रभावशाली होते है कि उन्हें सुनने से हमें जीवन भर के लिए याद रह जाते हैं | गीतों की भाषा सरल होती हैं | जब कोई गीत किसी घटना से जुड़ा होता है तो हम भी उससे जुड़ा हुआ महसूस करते हैं |

aglasem.com

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 5. कवि ने 'साथियों' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

Answer – कवि ने साथियों सम्बोधन का प्रयोग अपने सैनिक साथी और देशवासियों के लिए किया हैं |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 6. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

Answer – जब कोई सैनिक देश के लिए कुर्बान हो जाए तो दूसरा आकर उसकी जगह ले | कुर्बानियों का सिलसिला कभी खत्म नहीं होना चाहिए | कवि ने सैनिकों के समूह को काफ़िला कहा है और उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए कहा हैं |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 7. इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

Answer – जब देश के सैनिक युद्ध पर जाते है तो देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते | सर पर कफ़न बाँधना इस बात की ओर संकेत करता है कि देश के लिए प्राण देने के लिए तैयार रहना |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 8. इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए?

Answer – यह गीत सैनिकों के हृदय की आवाज़ को बयान करता है जिन्होंने अपने देश के लिए अपना सर्वस्व त्याग दिया | ये सैनिक कहते है कि हमने अपने देश के मान-सम्मान को बनाये रखने के लिए मरते दम तक हार नहीं मानी | अब आने वाले समय में देशवासियों को अपने देश की रक्षा करनी होगी |प्रत्येक देशवासी का फ़र्ज़ है देश की रक्षा करना | सैनिक चाहे कोई भी हालात हो, वे अपनी अंतिम साँस तक देश के लिए लड़ते रहे और अब इस वतन को आने वाली पीढ़ी के हाथों में सौंपकर जा रहे हैं |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q. 1. साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई

फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया

Answer – जब हिमालय की बर्फ में सैनिकों की नब्ज़ ठण्ड से जमने लगी और उनकी साँसे भी धीमी होने लगी तब भी वे युद्ध लड़ने में पीछे नहीं हटे | अपने देश के लिए वे आखरी साँस तक लड़ते रहे, अपने कदमों को उन्होंने रुकने नहीं दिया |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q. 2. खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर

इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई

Answer – कवि चाहते है कि इस देश की रक्षा के लिए सैनिक अपने खून से ऐसी लाइन खींच दे कि कोई भी दुश्मन उस लाइन को पार करके इधर न आने पाए अर्थात सैनिक दुश्मनों को देश में आने से रोक ले|

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q. 3. छू न पाए सीता का दामन कोई

राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों

Answer – कवि ने इन पंक्तियों में इस देश को सीता कहा है | इस देश की धरती सीता की तरह पवित्र है, इसकी रक्षा के लिए देशवासियों को ही राम और लक्ष्मण बनकर दुश्मन रूपी रावण से लड़ना होगा |

Page: 44, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए –

भाषा अध्ययन

Q. 1. इस गीत में कुछ विशिष्ट प्रयोग हुए हैं। गीत संदर्भ में उनका आशय स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

कट गए सर, नब्ज़ जमती गई, जान देने की रुत, हाथ उठने लगे

Answer –

· कट गए सर - बलिदान देना

भारत और चीन की लड़ाई में कई सैनिकों के सर कट गए |

· नब्ज़ जमती गई - नसों में खून जमना

हिमालय की ठण्ड में सैनिकों की नब्ज़ जम जाती हैं |

· जान देने की रुत – बलिदान देने का अवसर

aglasem.com

देश के लिए जान देने की रुत सैनिकों के लिए गर्व का मौका होता हैं |

· हाथ उठने लगे – आक्रमण के लिए तैयार

दुश्मन को सामने देखकर अपने आप हाथ उठने लगे |

Page: 44, Block Name: भाषा अध्ययन

aglasem.com